मो0 : 9411923353
फोन : 0562.–2466787

रजि0

गुरू वशिष्ठ मानव सर्वागीण विकास सेवा समिति

16/25 रावतपाड़ा, आगरा (उ0प्र0)

सेवा में,

मण्डलायुक्त

आगरा।

दि0- 06.08.2009

विषयः– यमुना नदी के घाटों की कायाकल्प हेतु।

महोदय,

गुरू वशिष्ठ मानव सर्वागीण विकास सेवा समिति का यमुना सत्याग्रह विगत 13 जून 2008 से हाथीघाट यमुना किनारे पार्क में चल रहा है। चूंकि यमुना आगरा की जीवन धारा के साथ–साथ विश्व प्रसिद्ध ताजमहल का अपने घाटो से देशी–विदेशी पर्यटको को अनेको कोणों से दीदार कराती है। जिसके कारण नदी के घाटो पर देशी–विदेशी पर्यटको का आना जाना लगा रहता है। पर्यटक यहां ताजमहल के दीदार के साथ फोटोग्राफी भी करते है। साथ ही घाटो व यमुना की अव्यवस्था तथा गन्दगी का चित्रण भी कैमरे व मन मस्तिक में भरकर ले जाते है, जो हमारे शहर, आगरा के लिए बहुत ही शर्म की बात है। अतः समिति ने निर्णय लिया है कि यमुना के घाटो, पार्को व किनारो का भी कायाकल्प होना चाहिए। जिसको मूर्ति रूप देने के लिए समिति व यमुना प्रेमी कार्यकर्ताओं को अपने सुविधा सलाह सख्ती के मंत्र को सफल बनाने हेतु प्रशासन से निम्नलिखित सहयोग चाहिए।

1. शहर में घाटों की व यमुना के किनारो की चैनल जाली लगाकर घेरावन्दी की जायें व पुरानी चारदीवारी की मरम्मत कराई जाये तथा पार्को में व नदी पर जाने के लिए एक–एक रास्ता छोड़ा जाये।
2. नदी के किनारों की व पार्को की सफाई के लिए नियमित सफाई कर्मचारी नियुक्त किये जाये।
3. नदी के किनारों पार्को में नियमित माली की व्यवस्था हो।
4. घाट से नदी तक जाने वाले एकमात्र गेट पर चौकीदार व रिजर्व पुलिस का पहरा हो। जो नदी को प्रदूषित करने वाली वस्तुओं को वहीं रोक सके।
5. यमुना के सभी घाटो पर व किनारो पर विर्सजन कुण्ड बनाये जाये जिसमें पूजन की धार्मिक सामग्री विसर्जित हो बाद में उसका खाद के रूप में प्रयोग किया जायें।

शेष पृष्ठ दो पर

6. जानवरो को रोकने के लिए गेट पर काऊ केचर लगाये जाये।
7. पार्को व किनारो पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था हो।
8. पार्को मे बैठने के लिए बैंचो की व्यवस्था हो।
9. घाटो पर सार्वजनिक शोचालयों की व्यवस्था हो व पार्को पर मूत्रालय की व्यवस्था हो।
10. पीने के लिए पानी की व्यवस्था, स्नानागार के लिए समरसिविल की व्यवस्था हो।
11. पार्को में पीकदान व कूड़ेदान की व्यवस्था हो।
12. पार्को में मौसमी, फुलबारी भी लगाया जायें तथा उनकी सुरक्षा की व्यवस्था हो।
13. नदी में गिरने वाले सभी छोटे–बड़े नाले–नालियों का जब तक नदी में गिरना बन्द नहीं हो पा रहा है। तब तक इन पर गली पिट बनवाई जाये जिससे कीचड़ व कचरा दोनो ही नदी में जाने से बच जायेगें। तब नदी में केवल पानी ही जायेगा, जो कि तत्काल नदी की गन्दगी रोकने में बहुत बड़ी सहायता का कार्य करेगा।
14. मृतक पशुओं की लाशो के निस्तारण की व्यवस्था हो। जलाने या दफनाने की व्यवस्था हो।
15. पशुपालको व धोबी समाज के लिए तालाब व चारागाह की अलग व्यवस्था कराया जाये।
16. रिबर पुलिस की संख्या व संसाधन बढ़ाये जाये। और उनकी एक चौकी स्थापित हो। तथा प्रदूषण व गन्दगी के सम्बन्धित विभाग रिबर पुलिस से सम्पर्क कर पुलिस के प्रभाव का गन्दगी व प्रदुषण को रोकने के लिए सही उपयोग करें।
17. जवाहर पुल के दोनों तरफ जालीकरण।

संस्थापक / अध्यक्ष

पं0 अश्विनी कुमार मिश्र